तुरंत जारी करने हेतु **(प्रेस विज्ञप्ति सं.31/2023)**

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2023

(www.trai.gov.in)

31 जनवरी, 2023 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**806.07**	**33.11**	**839.18**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**627.13**	**25.59**	**652.72**
जनवरी 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.10	0.24	0.33
मासिक वृद्धि दर	0.02%	0.94%	0.05%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**515.89**	**2.14**	**518.03**
जनवरी 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.00	0.039	0.04
मासिक वृद्धि दर	0.00%	1.87%	0.01%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1143.02**	**27.73**	**1170.75**
जनवरी 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.10	0.28	0.37
मासिक वृद्धि दर	0.01%	1.01%	0.03%
समग्र दूरसंचार-घनत्व*	**82.52%**	**2.00%**	**84.52%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व*	128.76%	5.25%	134.02%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व*	57.44%	0.24%	57.68%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.87%	92.29%	55.75%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.13%	7.71%	44.25%

- जनवरी, 2023 के माह में 12.40 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने की तिथि से दिसम्बर, 2022 अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 784.43 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2023 के अंत तक 796.84 मिलियन हो गया।

- जनवरी, 2023 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1024.81 मिलियन थी।

नोट: -

- इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report%202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf के आधार पर के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग है।

I. ब्राडबैंड सेवा

जनवरी, 2023 के अंत में 989 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दिसम्बर 2022 में 907 सेवा प्रदाताओं की तुलना में, ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 832.20 मिलियन से बढ़कर 839.18 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.84 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः -

जनवरी, 2023 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		जनवरी, 2023 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	32.35	33.11	2.23%
मोबाइल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डान्गल)	798.69	804.90	0.78%
फिक्सड वायरलैस ब्राडबैंड उपभोक्ता (वाई-फाई, वाई-मैक्स, प्वाईंट-टू-प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	1.13	1.17	3.67%
कुल	**832.20**	**839.18**	**0.84%**

- जनवरी, 2023 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.39 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (434.02 मिलियन), भारती एयरटेल (237.40 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (125.03 मिलियन), बीएसएनएल (27.05 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (2.14 मिलियन) थे।

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है: -

दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

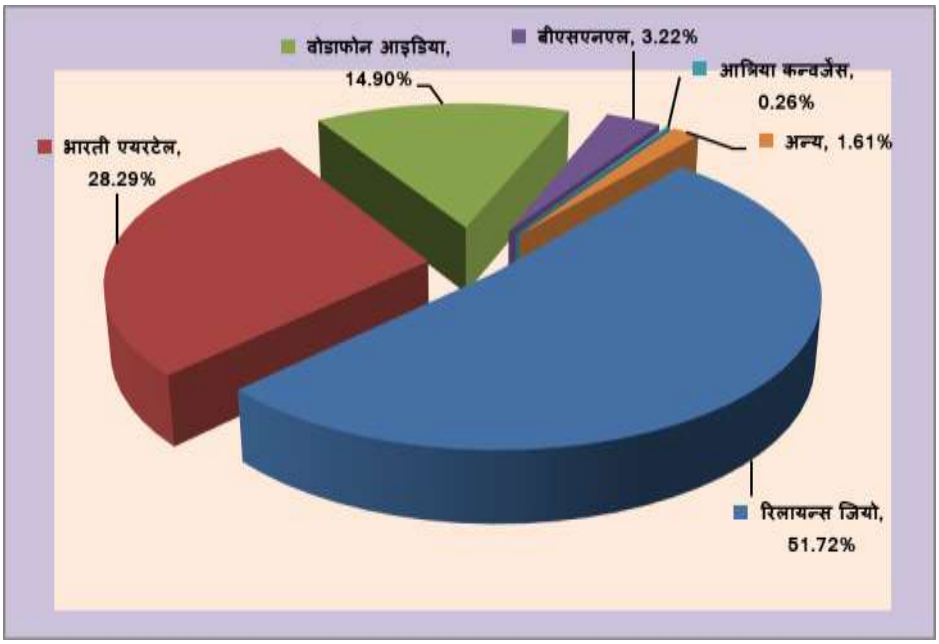

- दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (7.84 मिलियन), भारती एयरटेल (5.85 मिलियन), बीएसएनएल (4.18 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नालाजी (2.14 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकाम प्रा. लि. (1.13 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (426.17 मिलियन), भारती एयरटेल (231.54 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (125.02 मिलियन), बीएसएनएल (22.87 मिलियन) तथा इनटेक ऑनलाइन प्राइवेट लि. (0.23 मिलियन) थे।

II. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत तक 27.45 मिलियन से बढ़कर, जनवरी, 2023 के अंत तक 27.73 मिलियन हो गई। इस माह में 1.01 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.28 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई। जनवरी, 2023 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 92.29 प्रतिशत तथा 7.71 प्रतिशत रही।
- दिसम्बर, 2022 के अंत तक वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.98 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी, 2023 के अंत तक 2 प्रतिशत हो गया । इसी समय के दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 5.25 प्रतिशत तथा 0.24 प्रतिशत रहा।
- 31 जनवरी, 2023 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 34.12 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं। जनवरी, 2023 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:-

दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

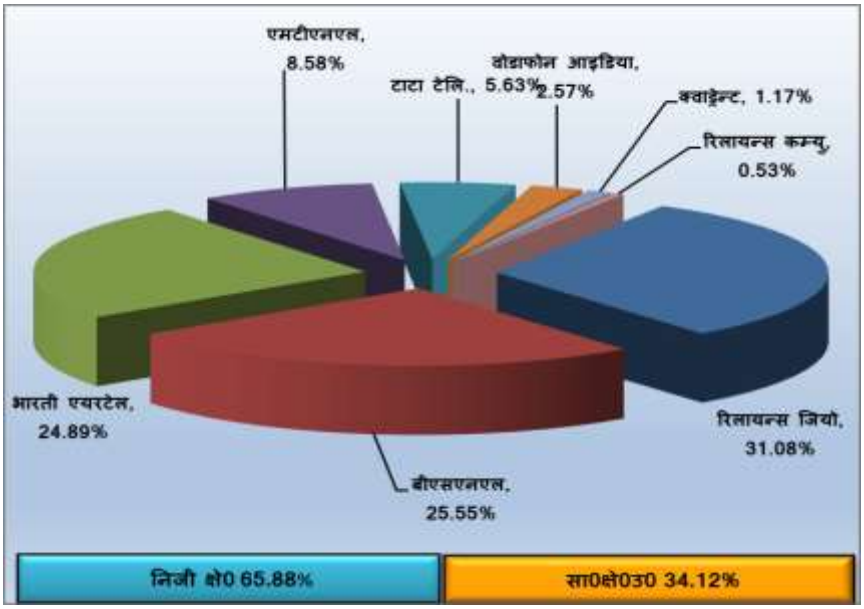

जनवरी, 2023 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

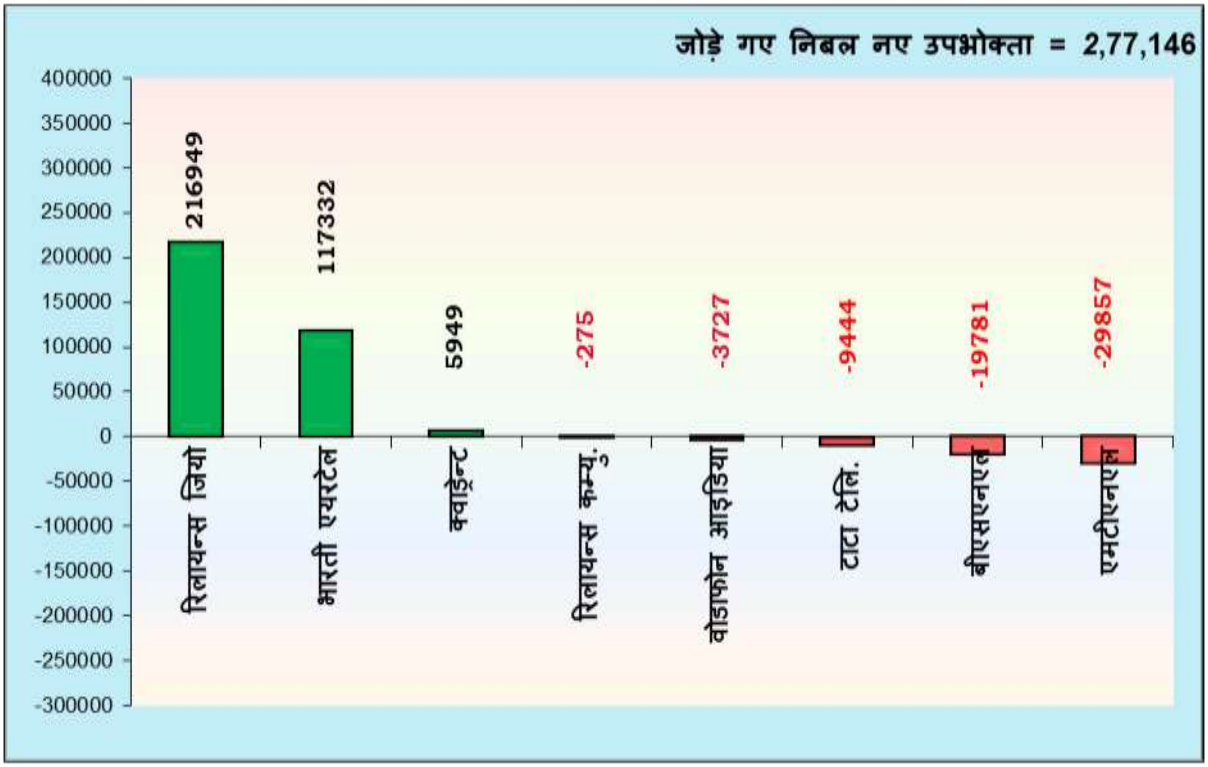

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसम्बर, 2022 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1142.93 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2023 के अंत तक 1143.02 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.01 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत में 627.03 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2023 के अंत तक 627.13 मिलियन हो गई हालांकि इस अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में कोई भी परिवर्तन नहीं हुआ और यह 515.89 मिलियन ही रही जो कि दिसम्बर 2022 के अंत में थी। जनवरी, 2023 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.02 प्रतिशत और 0.00 प्रतिशत रही।

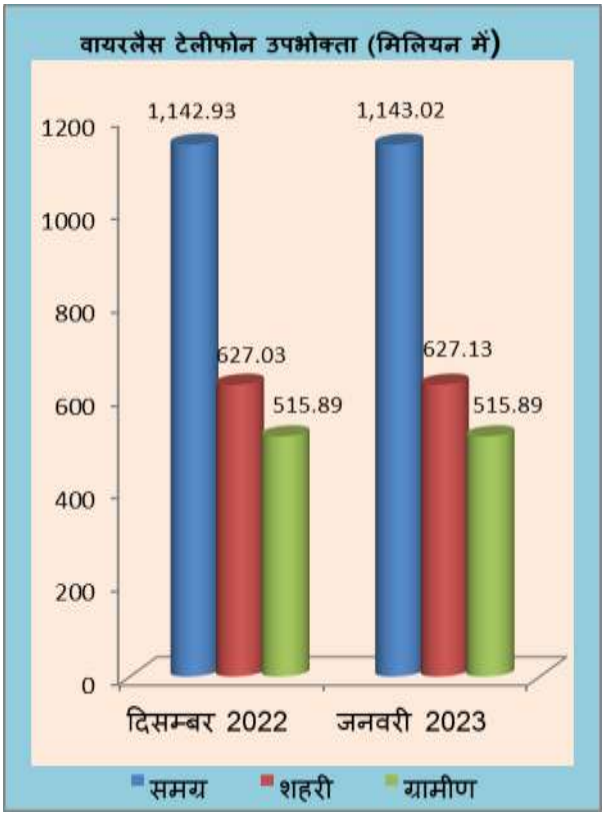

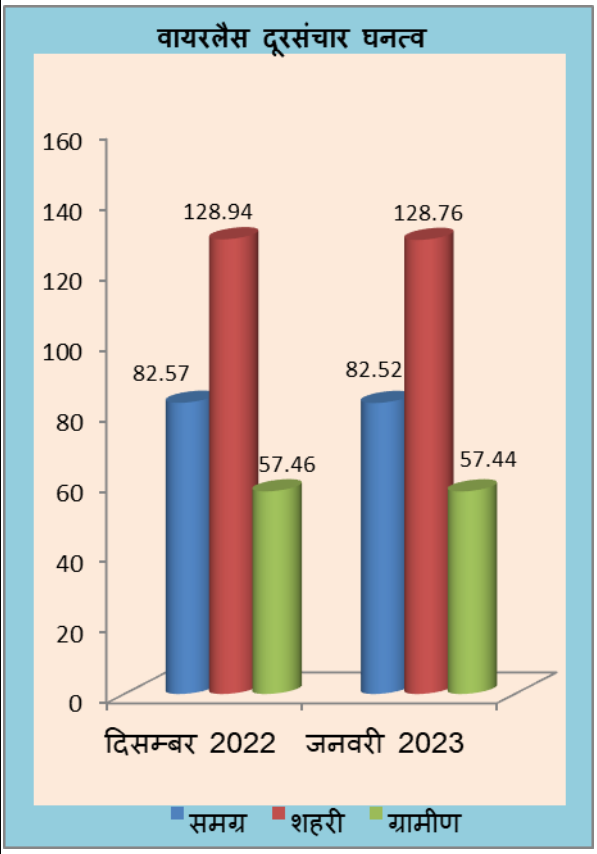

- दिसम्बर, 2022 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 82.57 प्रतिशत से घटकर जनवरी, 2023 के अंत तक 82.52 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में दिसम्बर, 2022 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 128.94 प्रतिशत से घटकर जनवरी, 2023 के अंत में 128.76 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 57.46 प्रतिशत से घटकर 57.44 प्रतिशत हो गया। जनवरी, 2023 के अंत तक कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 54.87 प्रतिशत तथा 45.13 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.55 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.45 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः-

31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

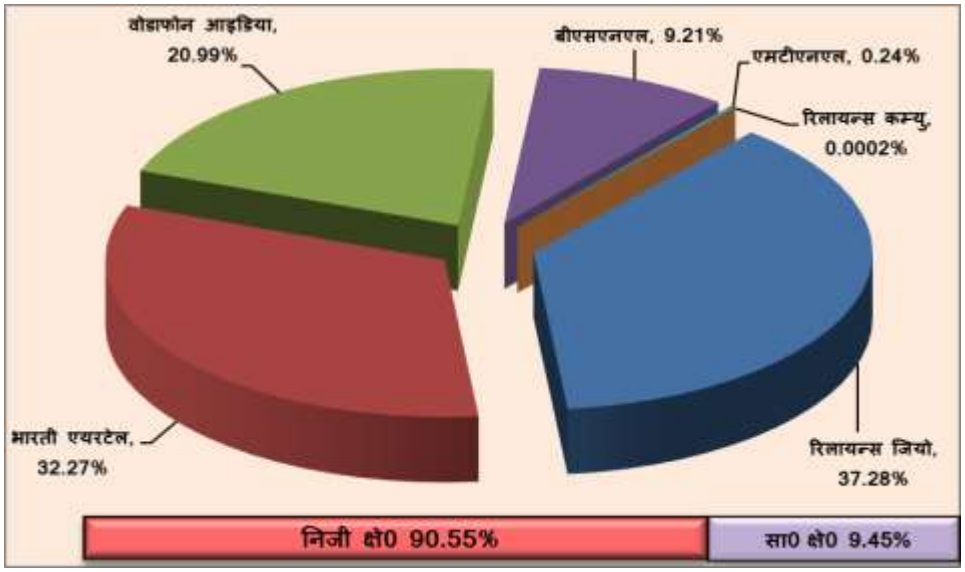

जनवरी, 2023 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

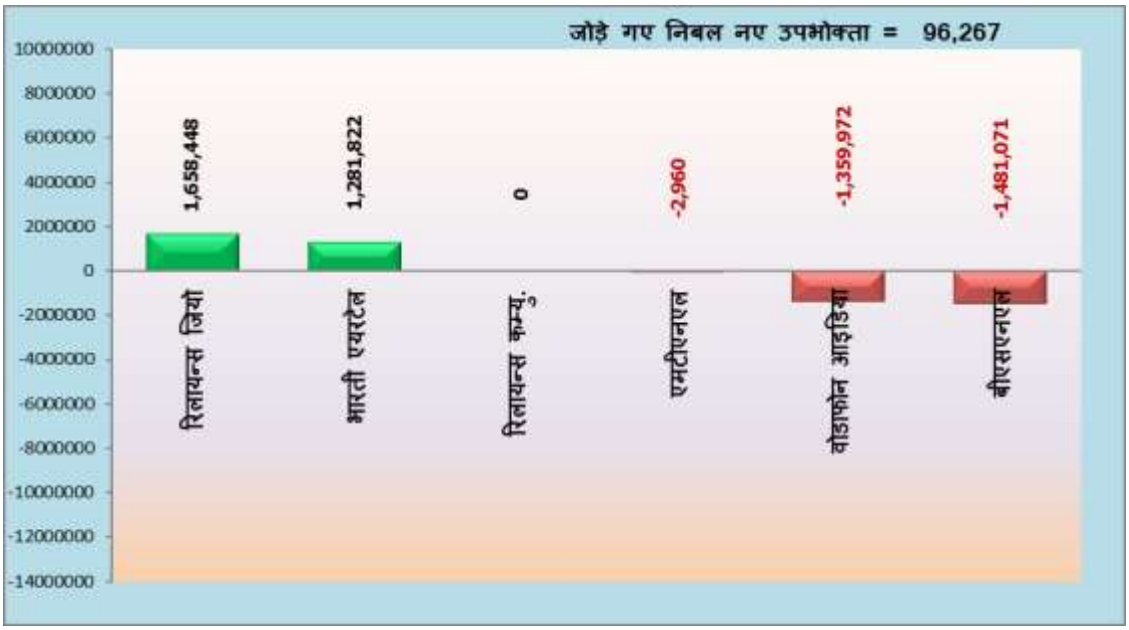

वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

जनवरी, 2023 माह के दौरान सेवा-प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

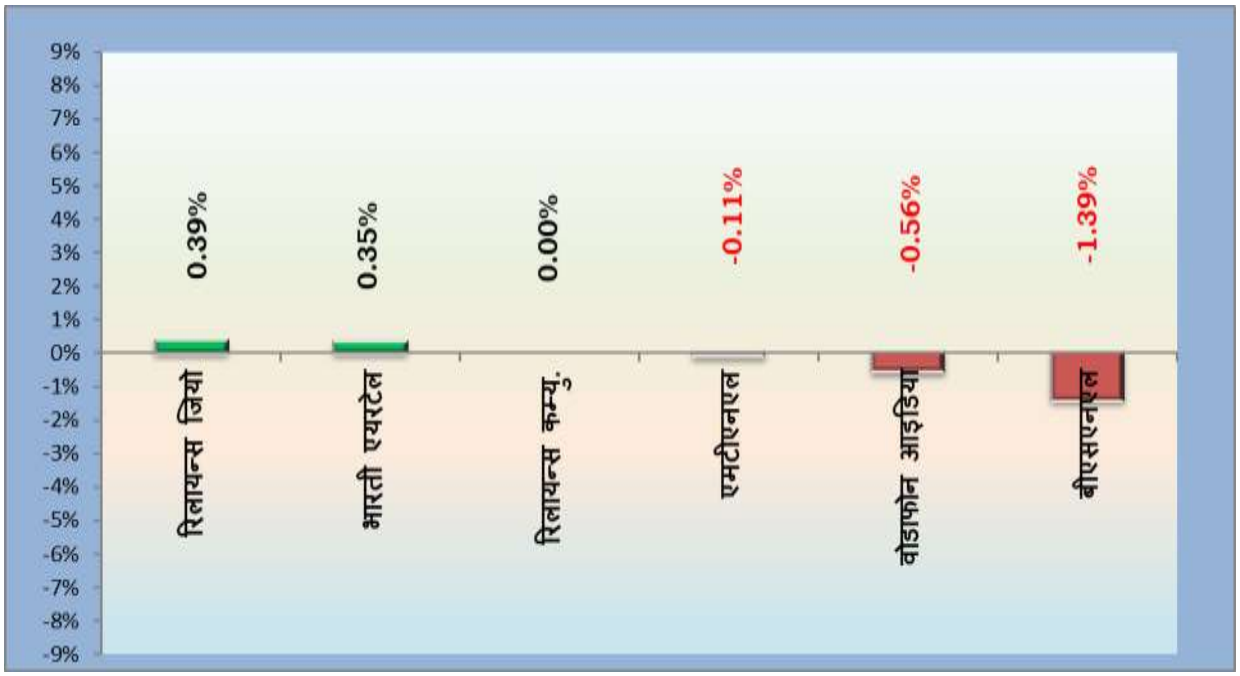

नोट - बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है।

जनवरी, 2023 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

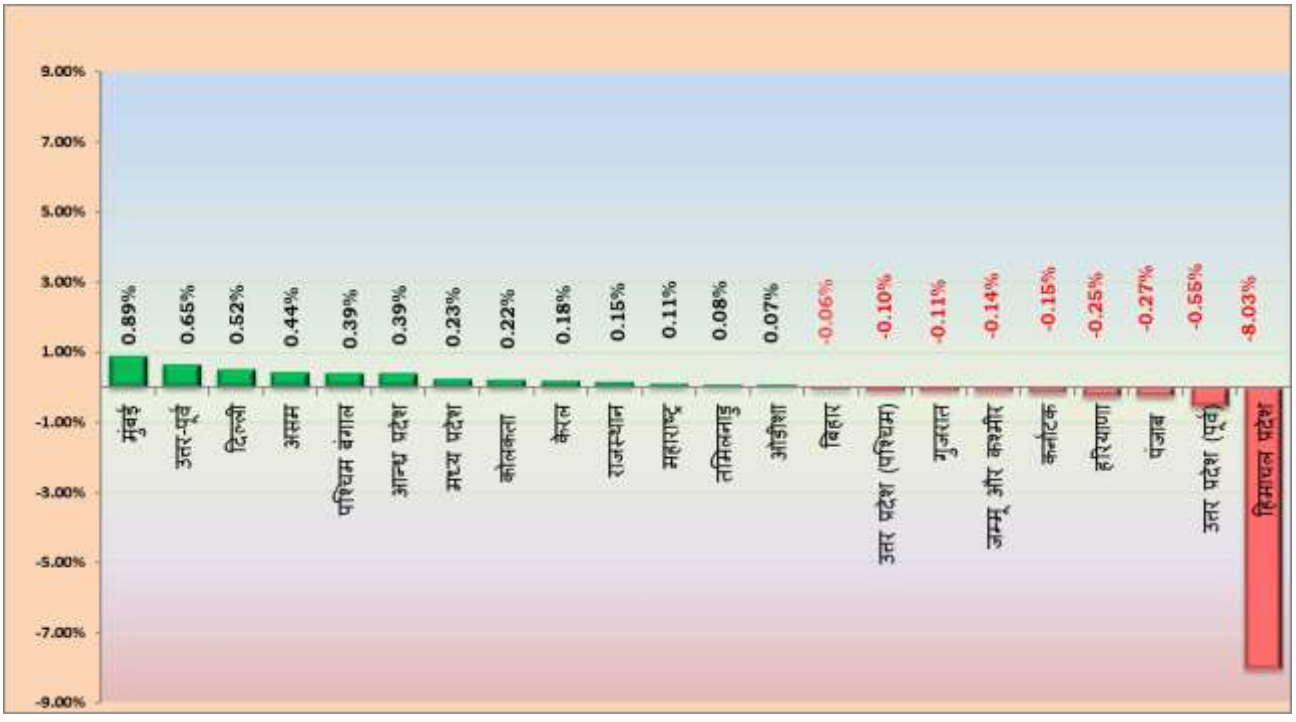

- बिहार, उत्तर प्रदेश (पश्चिम), गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश (पूर्व) और हिमाचल प्रदेश सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

IV. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसम्बर, 2022 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,170.38 मिलियन से बढ़कर, जनवरी, 2023 के अंत तक 1,170.75 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.03 प्रतिशत दर्ज की गयी। दिसम्बर, 2022 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 652.39 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2023 के अंत तक 652.72 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 517.99 मिलियन से बढ़कर 518.03 मिलियन हो गई। जनवरी, 2023 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वद्धि दर 0.05 प्रतिशत तथा 0.01 प्रतिशत रही।

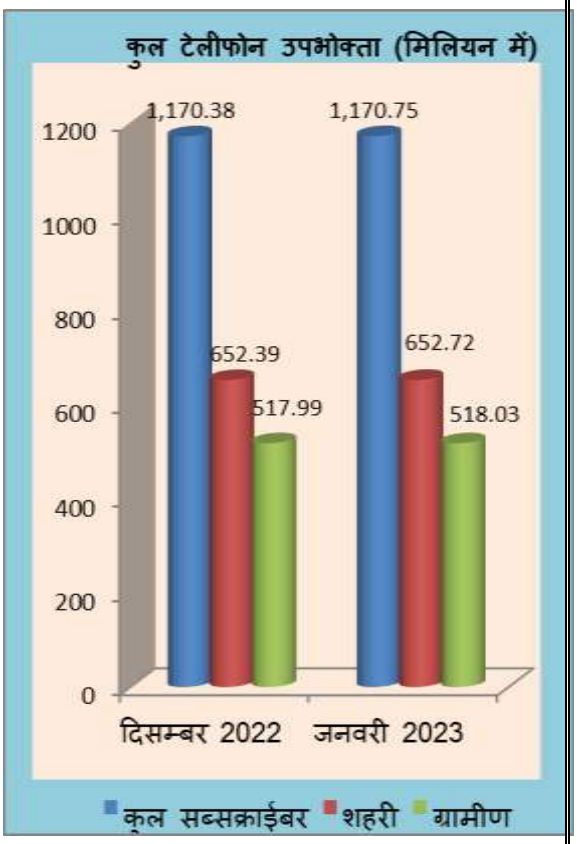

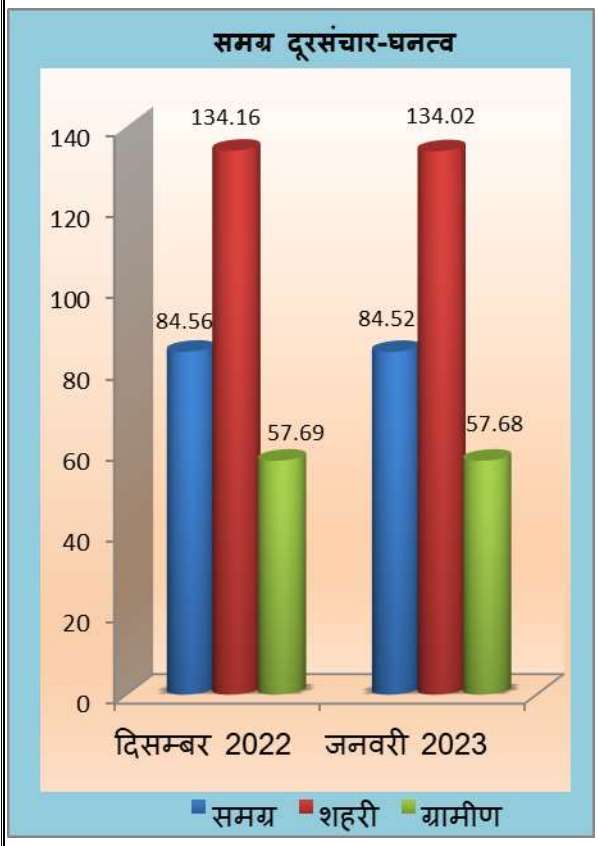

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व दिसम्बर, 2022 के अंत तक 84.56 प्रतिशत से घटकर जनवरी, 2023 के अंत तक 84.52 प्रतिशत हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व दिसम्बर, 2022 के अंत तक 134.16 प्रतिशत से घटकर जनवरी, 2023 के अंत तक 134.02 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 57.69 प्रतिशत से घटकर 57.68 प्रतिशत हो गया। । जनवरी, 2023 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.75 प्रतिशत तथा 44.25 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि जनवरी, 2023 के अंत में आठ सेवा क्षेत्रों में टेलि-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि-घनत्व 272.94 प्रतिशत रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि-घनत्व 55.10 प्रतिशत रहा है।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है **https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report %202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf** के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

V. श्रेणीवार वृद्धि

जनवरी, 2023 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	जनवरी, 2023 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	1,03,558	3,09,452	1,06,18,495	38,49,85,899
श्रेणी - ख	95,883	-2,16,707	69,49,232	46,34,88,827
श्रेणी - ग	39,655	-6,30,668	20,02,463	18,20,14,447
महानगर	38,050	6,34,190	81,61,783	11,25,32,327
अखिल भारतीय	**2,77,146**	**96,267**	**2,77,31,973**	**1,14,30,21,500**

जनवरी, 2023 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (दिसम्बर-22 से जनवरी-23)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2022 से जनवरी, 2023 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	0.98%	0.08%	15.01%	-0.96%
श्रेणी - ख	1.40%	-0.05%	21.97%	-1.21%
श्रेणी - ग	2.02%	-0.35%	36.25%	2.92%
महानगर	0.47%	0.57%	4.50%	1.84%
अखिल भारतीय	**1.01%**	**0.01%**	**14.54%**	**-0.19%**

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि जनवरी, 2023 माह के दौरान मासिक आधार पर सेवा श्रेणी 'श्रेणी-ख' एवं 'श्रेणी-ग' को छोड़कर अन्य सभी सेवा श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर 'श्रेणी-क' एवं 'श्रेणी ख' को छोड़कर अन्य सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई है।

- वायरलाइन सेवा क्षेत्र में जनवरी, 2023 माह के दौरान दोनों मासिक एवं वार्षिक आधार पर सभी सेवा श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई है।

VI. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- जनवरी, 2023 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 1,143.02 मिलियन में से 1024.81 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 89.66 प्रतिशत था।

- जनवरी, 2023 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

जनवरी, 2023 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

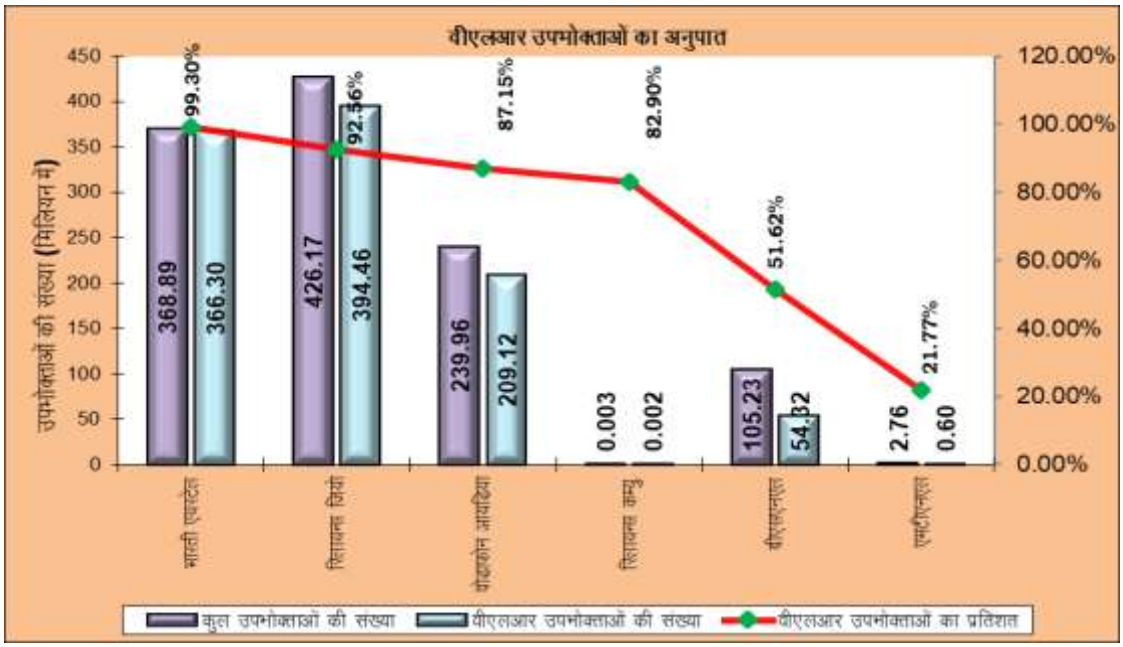

- जनवरी, 2023 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 99.30 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 21.77 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

जनवरी, 2023 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

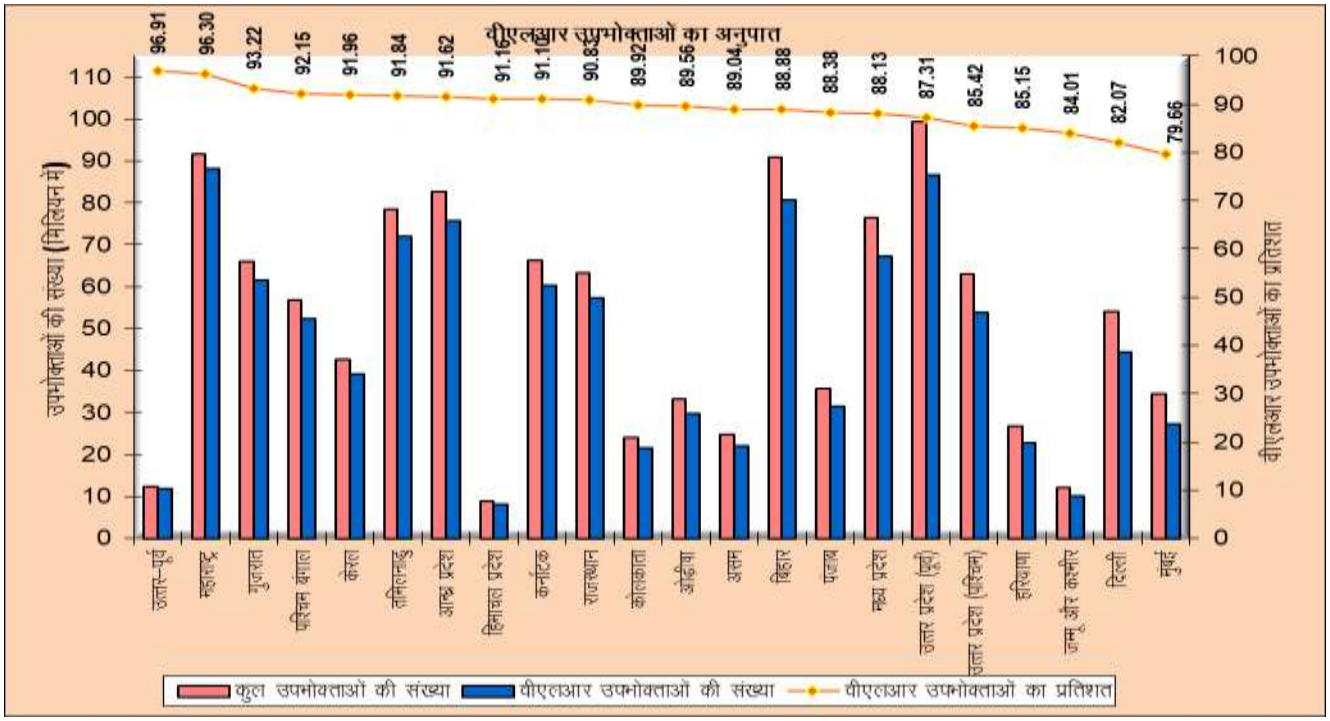

VII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- जनवरी, 2023 के माह में कुल 12.40 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 12.40 मिलियन अनुरोधों में से 7.29 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 5.12 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध दिसम्बर, 2022 के अंत तक 784.43 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2023 के अंत तक 796.84 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व में (लगभग 67.76 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 65.82 मिलियन) अनुरोध प्राप्त

हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश में (लगभग 60.10 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद कर्नाटक में (लगभग 58.78 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-1			**जोन-2**		
सेवा क्षेत्र	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**		**सेवा क्षेत्र**	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**	
	दिसम्बर-22	**जनवरी-23**		**दिसम्बर-22**	**जनवरी-23**
दिल्ली	37.60	38.23	आन्ध्र प्रदेश	56.38	57.01
गुजरात	53.36	54.23	असम	5.59	5.66
हरियाणा	25.44	25.78	बिहार	40.84	41.72
हिमाचल प्रदेश	3.48	3.51	कर्नाटक	58.21	58.78
जम्मू और कश्मीर	1.80	1.83	केरल	20.25	20.46
महाराष्ट्र	64.76	65.82	कोलकाता	15.36	15.52
मुंबई	29.28	29.54	मध्य प्रदेश	58.96	60.10
पंजाब	27.78	28.08	उत्तर-पूर्व	1.89	1.91
राजस्थान	55.56	56.28	ओड़ीशा	14.49	14.65
उत्तर प्रदेश-पूर्व	66.05	67.76	तमिलनाडु	53.71	54.21
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	51.48	52.82	पश्चिम बंगाल	42.15	42.92
कुल	**416.60**	**423.89**	**कुल**	**367.83**	**372.95**
कुल (जोन-I + जोन-II)				**784.43**	**796.84**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (जनवरी, 2023 माह में)				**12.40 मिलियन**	

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री कौशल किशोर, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली-**110002.**
फोन-**011-2323**0752
ई-मेलः advfea1@trai.gov.in

(वि. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि		क्वार्डेट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो			
	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23
आन्ध्र प्रदेश	676133	676711			421335	432127	20335	19774	155414	155001			71275	71395	979388	1006135	**2323880**	**2361143**
असम	109,461	109,801			16417	17155	0	0	0	0			2640	2640	139677	143445	**268195**	**273041**
बिहार	171,257	173,997			66258	69483	9	9	8920	8863			2080	2050	390312	403333	**638836**	**657735**
दिल्ली	0	0	1097894	1077185	1889035	1909801	20651	20880	142415	139890			89445	89265	795691	811780	**4035131**	**4048801**
गुजरात	343420	337392			195551	198028	2649	2798	76557	76156			59236	59236	494177	502586	**1171590**	**1176196**
हरियाणा	201075	203055			96292	99606	0	0	31111	30409			420	420	95765	98701	**424663**	**432191**
हिमाचल प्रदेश	87556	87397			3807	4023	0	0	1535	1536			30	90	45443	46339	**138371**	**139385**
जम्मू और कश्मीर	88336	88064			73600	76123	0	0	0	0			30	30	173497	176653	**335463**	**340870**
कर्नाटक	885635	885555			1019470	1032470	19717	19684	221897	219276			157652	154892	721102	750068	**3025473**	**3061945**
केरल	1014448	1015120			87613	88318	3663	3614	18986	18819			6830	6830	214788	221513	**1346328**	**1354214**
केलकाता	209708	207136			181903	183549	4513	4411	48667	48288			13855	13805	387984	396811	**846630**	**854000**
मध्य प्रदेश	261323	262657			414607	422390	14	14	12409	13486			35245	35245	519977	532287	**1243575**	**1266079**
महाराष्ट्र	624800	616132			354018	362702	9599	9537	210820	210306			25958	25961	215592	219803	**1440787**	**1444441**
मुंबई			1310696	1301548	520336	529245	43056	43861	471710	471375			171225	170770	724949	742183	**3241972**	**3258982**
उत्तर-पूर्व	75707	75530			0	0	0	0	0	0			510	510	128643	132464	**204860**	**208504**
ओड़ीशा	172912	173536			0	0	4	4	8409	8348			3960	3960	191798	197080	**377083**	**382928**
पंजाब	335015	341870			212790	217250	1982	1899	15450	14680	318346	324295	2210	2210	239793	247640	**1125586**	**1149844**
राजस्थान	280128	278460			182960	187757	3600	3598	12901	12852			15325	15325	310574	316914	**805488**	**814906**
तमिलनाडु	974808	971304			771994	786764	18641	18084	117545	116141			38433	38088	631786	644389	**2553207**	**2574770**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	138197	134784			161936	166413	23	24	8150	8023			16660	16660	385876	397321	**710842**	**723225**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	188774	177357			103285	105505	12	8	4894	4906			3648	3558	423462	435445	**724075**	**726779**
पश्चिम बंगाल	265723	268777			12784	14614	76	70	2589	2580			120	120	191500	195833	**472792**	**481994**
कुल	**7104416**	**7084635**	**2408590**	**2378733**	**6785991**	**6903323**	**148544**	**148269**	**1570379**	**1560935**	**318346**	**324295**	**716787**	**713060**	**8401774**	**8618723**	**27454827**	**27731973**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**-19781**		**-29857**		**117332**		**-275**		**-9444**		**5949**		**-3727**		**216949**		**277146**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**1892671**	**1929125**	**34**	**34**	**0**	**0**	**393**	**393**	**29919**	**29813**	**20084**	**19795**	**0**	**0**	**156893**	**160028**	**2099994**	**2139188**

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-2

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23	दिसम्बर, 22	जनवरी, 23
आन्ध्र प्रदेश	32163984	32294796			12060526	12000139	8156707	8157253					29991757	30242362	**82372974**	**82694550**
असम	10,648,415	10,745,881			2128563	2032031	3308505	3318740					8621292	8718780	**24706775**	**24815432**
बिहार	39,726,581	39,833,563			9195941	9042859	5705175	5748958					36246456	36193068	**90874153**	**90818448**
दिल्ली	16826426	16959252	194	194	16872359	16918702					1690527	1690250	18487734	18589977	**53877240**	**54158375**
गुजरात	11380155	11403475	47	47	22528058	22448214	5139655	5092727					27017956	27048203	**66065871**	**65992666**
हरियाणा	6489254	6509330	11	11	7563522	7437444	4621826	4627486					8027774	8060101	**26702387**	**26634372**
हिमाचल प्रदेश	3414229	3409078	92	92	496145	485406	2391457	1604896					3286812	3319408	**9588735**	**8818880**
जम्मू और कश्मीर	5795811	5765145	0	0	387466	377611	830350	828725					5045691	5071135	**12059318**	**12042616**
कर्नाटक	31169983	31221030	593	593	7598993	7402281	6492981	6328383					21045839	21256958	**66308389**	**66209245**
केरल	7942467	7967440	114	114	14684250	14660944	9961133	9928898					9911488	10017233	**42499452**	**42574629**
केलकाता	5699449	5690192	0	0	5876479	5878598	2166601	2174015					10258126	10309622	**24000655**	**24052427**
मध्य प्रदेश	15216078	15247422	0	0	17368867	17401404	5443063	5412656					38223356	38362105	**76251364**	**76423587**
महाराष्ट्र	20934562	21035277	0	0	24958114	24809241	6428378	6470806					39162702	39268021	**91483756**	**91583345**
मुंबई	9480918	9768812	1015	1015	11367552	11240673					1068028	1065345	12102729	12245680	**34020242**	**34321525**
उत्तर-पूर्व	5836711	5859987	0	0	935069	951893	1,373,270	1,370,251					3983794	4025370	**12128844**	**12207501**
ओड़ीशा	11381082	11308362	29	29	1647883	1645039	6,318,998	6,306,844					13939298	14051296	**33287290**	**33311570**
पंजाब	12232409	12265174	106	106	7386768	7308781	4,920,829	4,845,070					11273435	11298327	**35813547**	**35717458**
राजस्थान	21980740	22148502	155	155	10406709	10333463	6,293,169	6,233,460					24445346	24503401	**63126119**	**63218981**
तमिलनाडु	27579698	27663720	269	269	17142543	16910521	9,643,192	9,715,873	98,287	108,661			23981468	24107049	**78445457**	**78506093**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36435124	36484936	0	0	19023762	19020934	9,436,080	9,002,308					34975500	34813538	**99870466**	**99321716**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18556736	18560186	8	8	17073244	17054469	5,579,253	5,536,340					21763217	21756247	**62972458**	**62907250**
पश्चिम बंगाल	16717883	16748957	151	151	14621269	14603463	2,405,969	2,421,457					22724469	22916806	**56469741**	**56690834**
कुल	**367608695**	**368890517**	**2784**	**2784**	**241324082**	**239964110**	**106616591**	**105125146**	**98287**	**108661**	**2758555**	**2755595**	**424516239**	**426174687**	**1142925233**	**1143021500**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**1281822**		**0**		**-1359972**		**-1491445**		**10374**		**-2960**		**1658448**	**0**	**96267**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	***177,390,767***	***178,315,314***	***0***	***0***	***118187193***	***117458049***	***34,068,540***	***33,260,909***	***0***	***0***	***35332***	***35326***	**186211122**	**186822887**	**515892954**	**515892485**

अनुलग्नक-3

जनवरी, 2023 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	99.14	60.11	93.81		-	91.23	**91.62**
असम	98.36	41.09	94.96		-	94.41	**89.04**
बिहार	93.65	41.05	81.21		-	93.14	**88.88**
दिल्ली	98.34		63.79	17.35	85.05	89.75	**82.07**
गुजरात	110.32	45.15	93.91		114.89	94.48	**93.22**
हरियाणा	103.10	32.69	90.03		109.09	96.29	**85.15**
हिमाचल प्रदेश	98.24	59.42	105.68		43.48	97.10	**91.16**
जम्मू और कश्मीर	89.11	69.75	81.08		-	80.76	**84.01**
कर्नाटक	99.03	47.90	84.93		94.77	94.45	**91.10**
केरल	103.41	81.13	93.46		130.70	91.39	**91.96**
केलकाता	96.72	43.92	89.04		-	96.38	**89.92**
मध्य प्रदेश	100.99	46.88	85.91		-	89.85	**88.13**
महाराष्ट्र	109.14	61.26	89.98		-	99.18	**96.30**
मुंबई	91.39		72.66	28.77	79.11	81.16	**79.66**
उत्तर-पूर्व	103.27	54.74	94.78		-	102.51	**96.91**
ओड़ीशा	102.57	51.37	96.17		41.38	95.46	**89.56**
पंजाब	101.32	40.42	91.65		66.98	92.79	**88.38**
राजस्थान	101.13	41.27	92.12		61.94	93.59	**90.83**
तमिलनाडु	100.16	66.59	93.24		97.40	91.59	**91.84**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	96.40	33.89	86.83		-	91.87	**87.31**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	99.55	36.26	85.96		100.00	85.47	**85.42**
पश्चिम बंगाल	96.60	69.78	88.29		49.01	93.71	**92.15**
कुल	**99.30**	**51.62**	**87.15**	**21.77**	**82.90**	**92.56**	**89.66**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**उपभोक्ताओं की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।